एक खिलाड़ी की कुछ यादें

प्र १) तीन से चार वाक्य में उत्तर लिखो।

अ) बड़े खिलाड़ी को देखना आपपर कितना असर डालता है?

केशवदत्त जब लाहौर में बैडमिंटन चैंपियन थे तब उन्होंने स्कूल के ग्राऊंड में एक दिन ध्यानचंद को खेलते हुए देखा। उसके बाद केशवदत्त हॉकी के हो गए। यह बताते हैं की बड़े खिलाडी को देखना आप पर कितना असर डालता है।

आ) इंग्लैंड को हराने के बाद सबके आँखो में आँसू क्यों थे?

इंग्लैंड के मुल्क में मैच थी। उन्हीं के मुल्क में हम जीत गए। जिसने हम पर राज किया, उसी के घर जाकर हमने उन्हें हराया। पहली बार विश्व स्तर पर कहीं जन-गण-मन बजा। उन्हें गर्व था के यह सब इंग्लैंड की भूमी में हुआ। इसीलिए सबके आँखों में आँसू थे।

इ) विश्वनाथन आनंद और सानिया मिर्ज़ा उन्हें उपर लाने में कोई सिस्टम काम नहीं आया ऐसा केशवदत्त को क्यों लगता है?

विश्वनाथन आनंद और सानिया मिर्ज़ा उन्हें उपर लाने के लिए उनकी अपनी मेहनत और परिवार का सपोर्ट काम आया है। केशवदत्त कहते है की सिस्टम गडबड है इसे ठिक करना होगा। बेसिक सुविधा देनी पड़ेगी। यह सब हॉकी खेलनेवालों को नहीं मिलता। इसीलिए विश्वनाथन आनंद और सानिया मिर्ज़ा उन्हें उपर लाने में कोई सिस्टम काम नहीं आया ऐसे केशवदत्त को लगता है।

ई) अंग्रेजों के समय की कौनसी बात खेल के बारे में अच्छी थी?

अंग्रेजों के समय हर स्कूल में खेल जरुरी था। जितना पढ़ना जरुरी था, उतनाही खेलना जरुरी था। लेकिन यह बदला। खेल खास जगह नहीं पा सका। हर स्कूल में मैदान है। आबादी के साथ साथ मैदानों की जगह कम होती जा रही है।

उ) शुटींग और क्रिकेट के बारें में केशवदत्त क्या कहते हैं?

शुटींग के खेल में भारत ने तरक्की की है। क्रिकेट में भी सफलता मिली है। लेकिन 60 साल में हम हॉकी सहित उन खेलों मे पिछड़े हैं जिनमें सबसे आगे है, वहाँ सबसे आगे नहीं है। शुटींग और क्रिकेट के बारे

प्र.२) दिए गए वाक्य सही हैं या गलत वह लिखें।

अ) केशवदत्त ६० साल पहले की बातें कर रहे हैं। सही

आ) १९४८ से पहले केशवदत्त को लाहौर से भागना पड़ा था। सही

इ) विश्व युद्ध में लंदन जीत गया। गलत

ई) हॉकी का स्तर आज गिर गया है। सही

उ) सानिया मिर्जा को सिस्टम से मदद मिली। गलत

ऊ) हमारे पास खेलने के लिए मैदान नहीं है। सही

प्र.३) नीचे लिखें शब्दों में सही अक्षर भरो।

क, उ, म

अ) गमला

आ) लकड़ी

इ) कमल

ई) कबुतर

उ) पेड़

प्र.४) जैसे भारत का आंतरराष्ट्रीय खेल हॉकी है वैसे नीचे दिए देशों का आंतरराष्ट्रीय खेल लिखें।

अ) जापान - जूडो

आ) इंग्लैंड - क्रिकेट

इ) ब्राजील - फुटबॉल

ई) बांग्लादेश - कबड्डी

उ) ईरान - कुश्ती

ऊ) उरुग्वे - फुटबॉल

प्र.५) निचे दिए खेलों में कितने खिलाड़ीयों की जरुरत होती है वह लिखें।

अ) लुडो - 2

आ) क्रिकेट - 11

उ) कबड्डी - 7

ई) खोखो - 9

उ) बैडमिंटन - 2

ऊ) बेसबॉल - 9

प्र.६) दिए गए शब्दोंका वाक्य में प्रयोग करें।

अ) चैंपियन - केशवदत्त बैडमिंटन चैंपियन थे।

आ) टीम - क्रिकेट खेलने के लिए दो टीमोंकी जरुरत पड़ती है।

इ) मुश्किल - बड़ी मुश्किल से हम बारीश के मौसम में हमारे गाँव पहुँचे।

ई) विश्व - विश्व स्तर का खेल हमने जित लिया।

७) सुविधा - बैडमिंटन जैसे खेलों के लिए हमें सिस्टम से कोई सुविधाएँ नहीं मिलती।

प्र.७) 'खेल का महत्व' इस विषय पर कुछ वाक्य लिखें।

हमारे जीवन में जितनी पढ़ाई महत्व रखती है उतना ही महत्व हमें खेल को देना चाहिए। खेल से हमारे जीवन में आनंद, उत्साह रहता है। हमारा शरीर तंदुरुस्त रहता है। हमारे शरीर का व्यायाम होता है। छोटे बच्चों को भूख लगती है। हम हर वक्त उत्साहीत रहते है। खेल हमारे दिमाग और शरीर को स्वस्थ रहने के विषय में भूमिका निभाते है।

सामूहिक खेल खेलने से हम सबके साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना सिखते है। हमारे मन को धैर्य रखने की क्षमता इन खेलोंसे निर्माण होती है। कभी कभी हम हार जाते है, उस वक्त मायुस न होकर नए उत्साह के साथ हमें खेल खेलना चाहिए। नयी उम्मीद के साथ हमें तैयारी करनी है। ये हम इन खेलों से ही सिखते है।